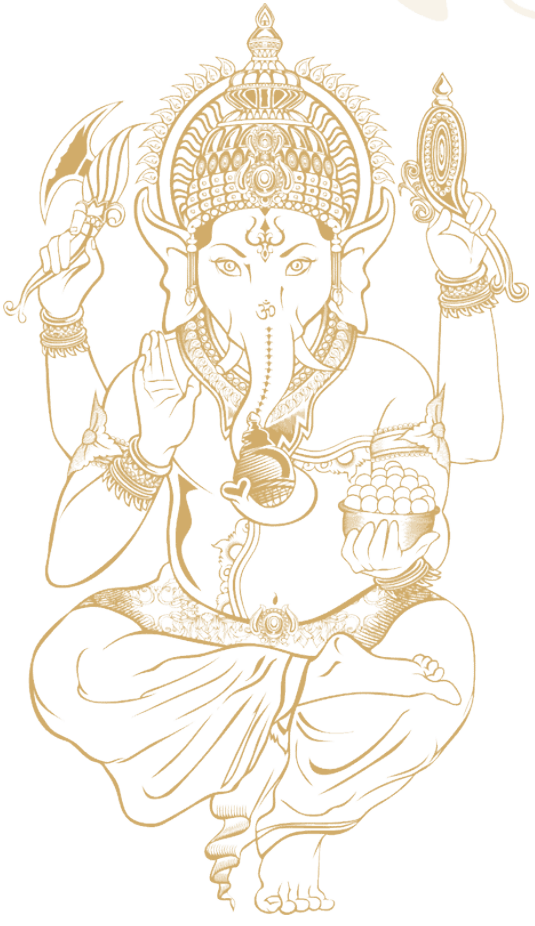

Pranav jha

18 Sep 2020

04:20 AM

Madhubani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121087706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/09/2020**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:20:00 घंटे**
इष्ट	56:49:52 घटी
स्थान	**Madhubani**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	85:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:30:32 घंटे
वेलान्तर	00:05:34 घंटे
साम्पातिक काल	04:19:51 घंटे
सूर्योदय	05:36:03 घंटे
सूर्यास्त	17:51:12 घंटे
दिनमान	12:15:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:21:02 कन्या
लग्न के अंश	13:29:59 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:29:59	319:47:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	01:21:02	00:58:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			कन्या	08:19:18	15:08:35	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल	व		मेष	03:31:30	00:07:04	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
बुध			कन्या	24:00:07	01:22:34	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	स्वराशि
गुरु			धनु	23:18:14	00:00:57	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			कर्क	18:45:15	01:07:36	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	01:17:58	00:01:06	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मिथु	00:17:11	00:11:02	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	00:17:11	00:11:02	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	उच्च राशि
हर्ष	व		मेष	16:06:25	00:01:32	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	25:14:12	00:01:39	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:24:39	00:00:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	12:39:17	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:30

लग्न-चलित

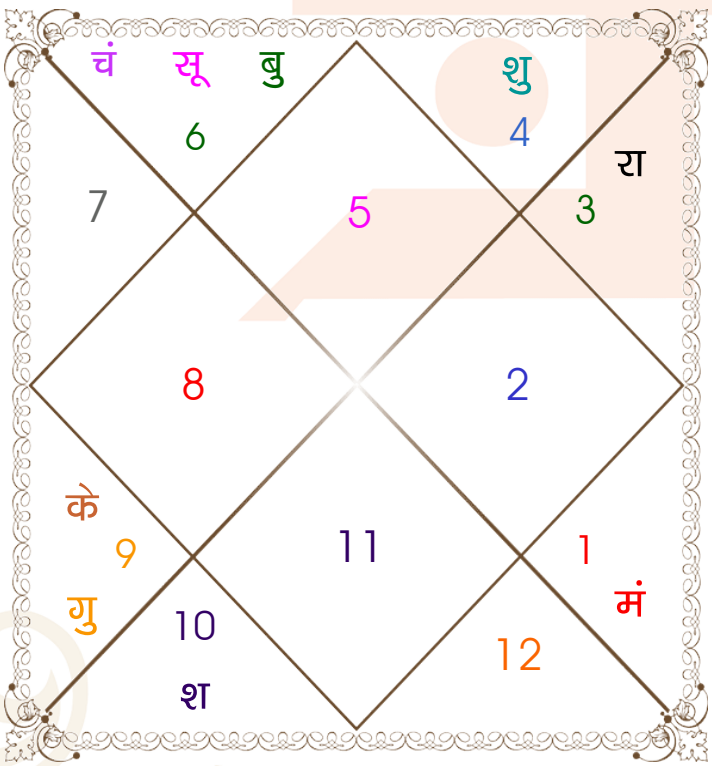

चन्द्र कुंडली

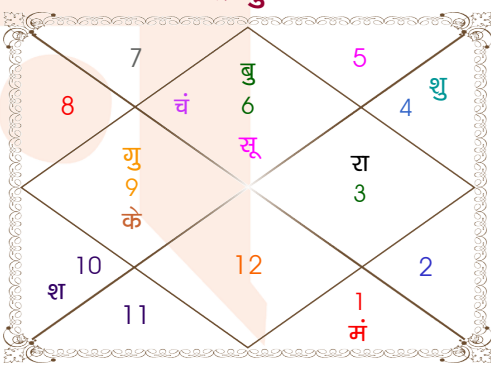

नवमांश कुंडली

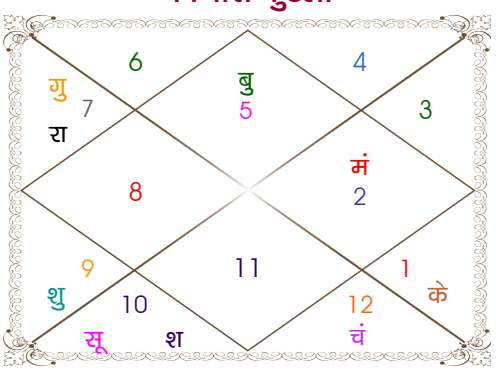

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 9 मास 1 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/09/2020		21/06/2021		21/06/2031		21/06/2038		20/06/2056	
21/06/2021		21/06/2031		21/06/2038		20/06/2056		20/06/2072	
	00/00/0000	चंद्र	21/04/2022	मंगल	17/11/2031	राहु	03/03/2041	गुरु	08/08/2058
	00/00/0000	मंगल	20/11/2022	राहु	05/12/2032	गुरु	28/07/2043	शनि	19/02/2061
	00/00/0000	राहु	21/05/2024	गुरु	11/11/2033	शनि	03/06/2046	बुध	28/05/2063
	00/00/0000	गुरु	20/09/2025	शनि	20/12/2034	बुध	20/12/2048	केतु	03/05/2064
	00/00/0000	शनि	21/04/2027	बुध	18/12/2035	केतु	07/01/2050	शुक्र	02/01/2067
	00/00/0000	बुध	20/09/2028	केतु	15/05/2036	शुक्र	07/01/2053	सूर्य	21/10/2067
	00/00/0000	केतु	21/04/2029	शुक्र	15/07/2037	सूर्य	02/12/2053	चंद्र	19/02/2069
	18/09/2020	शुक्र	20/12/2030	सूर्य	20/11/2037	चंद्र	03/06/2055	मंगल	26/01/2070
शुक्र	21/06/2021	सूर्य	21/06/2031	चंद्र	21/06/2038	मंगल	20/06/2056	राहु	20/06/2072

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/06/2072		21/06/2091		21/06/2108		22/06/2115		22/06/2135	
21/06/2091		21/06/2108		22/06/2115		22/06/2135		19/09/2140	
शनि	24/06/2075	बुध	17/11/2093	केतु	17/11/2108	शुक्र	22/10/2118	सूर्य	10/10/2135
बुध	03/03/2078	केतु	14/11/2094	शुक्र	18/01/2110	सूर्य	22/10/2119	चंद्र	09/04/2136
केतु	12/04/2079	शुक्र	14/09/2097	सूर्य	25/05/2110	चंद्र	22/06/2121	मंगल	15/08/2136
शुक्र	12/06/2082	सूर्य	21/07/2098	चंद्र	24/12/2110	मंगल	22/08/2122	राहु	10/07/2137
सूर्य	25/05/2083	चंद्र	21/12/2099	मंगल	23/05/2111	राहु	21/08/2125	गुरु	28/04/2138
चंद्र	23/12/2084	मंगल	18/12/2100	राहु	09/06/2112	गुरु	21/04/2128	शनि	10/04/2139
मंगल	01/02/2086	राहु	07/07/2103	गुरु	16/05/2113	शनि	22/06/2131	बुध	14/02/2140
राहु	08/12/2088	गुरु	12/10/2105	शनि	25/06/2114	बुध	22/04/2134	केतु	21/06/2140
गुरु	21/06/2091	शनि	21/06/2108	बुध	22/06/2115	केतु	22/06/2135	शुक्र	19/09/2140

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।